थोड़ा सा बढ़े गन्ने का मूल्य

सीएसीपी ने की एफआरपी की सिफारिश, अंतिम फैसला कैबिनेट लेगा

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 22 अगस्त

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने आगामी चीनी वर्ष (अक्टूबर से सितंबर) 2015-16 के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 10 से 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की सिफारिश की है। वर्ष 2014-15 के लिए एफआरपी 220 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया था।

आगामी गन्ना पेराई सीजन अक्टूबर 2014 में शुरू होगा। अधिकारियों ने कहा कि यह एफआरपी कम से कम 9.5 फीसदी चीनी रिकवरी पर आधारित है। एफआरपी पर अंतिम फैसला केंद्रीय मंत्रिमंडल करेगा। वर्ष 2015-16 के लिए केंद्र द्वारा तय कीमत चालू चीनी सीजन (2013-14) के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तय कीमत से करीब 50-60 रुपये प्रति क्विंटल कम है। भारत में केंद्र और राज्य सरकार दोनों कीमत तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। मिलें हर साल इसी कीमत के आधार पर किसानों को गन्ने का भुगतान करती हैं। बहुत से मामलों में राज्य सरकारें केंद्र द्वारा निर्धारित कीमत के समान ही दाम तय करती हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं है। इसके चलते राज्य की 90 से ज्यादा मिलों और स्थानीय सरकार के बीच तकरार चल रही है, जिससे वहां बकाया बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

उत्तर प्रदेश की मिलों ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार गन्ने की कीमत उपोत्पाद की बिक्री कीमत के आधार पर तय नहीं करती है तो वे अक्टूबर 2014 से पेराई बंद कर देंगी। गन्ने के उपोत्पाद चीनी और खोई हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के पूर्व प्रमुख सी रंगराजन की अध्यक्षता में गठित समिति ने भी गन्ने के दाम उपोत्पादों पर आधारित करने की सिफारिश की थी। चीनी उद्योग के कुछ अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान एफआरपी 220 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा कीमत तय करने पर इसका भुगतान करना उद्योग के लिए मुश्किल होगा, क्योंकि इससे बकाये में बढ़ोतरी हो रही है।

चीनी वायदा में गिरावट

पर्याप्त स्टॉक होने के बीच हाजिर बाजार में थोक ग्राहकों की कमजोर मांग के कारण सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम

वर्ष 2014-15 के लिए एफआरपी 220 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया था

किया, जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को चीनी की कीमत 0.33 फीसदी गिरावट के साथ 3,040 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। एनसीडीईएक्स में चीनी के अक्टूबर डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 10 रुपये या 0.33 फीसदी गिरावट के साथ 3,040 रुपये प्रति क्विंटल रह गई, जिसमें 2,030 लॉट के लिए कारोबार हुआ। चीनी के सितंबर डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 2 रुपये गिरावट के साथ 3,036 रुपये प्रति क्विंटल रह गई, जिसमें 14,360 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में थोक ग्राहकों की सुस्त मांग से वायदा कारोबार में चीनी कीमतों पर दवाब रहा। *भाषा*

~~Busin~~ बिजनेस स्टैंडर्ड
23/8/14